



16। इकाइयों की सेवा शर्तें कायी जायेगी और उन्हें सह्यता प्राप्त
अभ्यासों के माध्यम से विद्यार्थियों के कर्मचारियों की अनुमति
के तहत प्रदान की जायेगी।

17। राज्य सरकार द्वारा समय समय पर जो भी आवेग निर्गत किये जायें,
तथा उनका पालन करेगी।

18। विद्यार्थियों का रिकार्ड निर्धारित प्रपत्र/पंजीकों में रखा जायेगा।

19। उक्त शर्तों में राज्य सरकार के पूर्वानुमोदन के बिना कोई परिवर्तन/
संशोधन या परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

2- प्रतिबन्ध यह भी होगा कि संस्था द्वारा यह सुनिश्चित किया जाये कि

11। विद्यार्थियों के वर्तमान मूल/म. का विधिक स्थापित जागगी दो वर्ष
के मातर प्राप्त कर शर्तों पर लागू कराने की आवश्यकता होगी।

12। विद्यार्थियों हिन्दी माध्यम से त. तित किया जायेगा तथा निर्गत
अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर हिन्दी माध्यम से सम्बद्धता प्राप्त
करायेगी।

3- उक्त प्रतिबन्धों का पालन करना संस्था के लिए अनिवार्य होगा और
यदि किसी समय यह पारित जाता है कि संस्था द्वारा उक्त प्रतिबन्धों का

पालन नहीं किया जा रहा है अथवा पालन करने में किसी प्रकार की धूल या र्श्रम
क्षमता बरती जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण पत्र
वापस ले लिया जायेगा।

भवदीय,

अशोक गौगुली।
संयुक्त सचिव।

पुणे 1230111/15-7-1997 तदतिनांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाई एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- ✓ 1- शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- 2- मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक मेरठ।
- 3- जिला विद्यालय निरीक्षक, गाजियाबाद।
- 4- निरीक्षक, आंग्ल भारतीय विद्यालय उदयपुर लखनऊ।
- 5- प्रबन्धक, मण्डलीय परिवार कलन रेलवे रोड दादरी, गाजियाबाद।

आशा है,

अशोक गौगुली।
संयुक्त सचिव।